poly houses and other organisations; and

(b) the number out of them which were recommended by licensing committee for grant of licences and whether the fresh licences would be issued for the purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) Six applications were received during the year 1979-80 for manufacture of tissue papers.

(b) One of the applications has been rejected, and one application has been closed due to non-receipt of requisite information from the party. The remaining four applications are still under consideration. Applications for manufacture of tissue papers would be considered on merits.

पेटेंट और डिजाइनों में पंजीकरण के लिए आवेदन

1730. **श्री राम विलास पासवान :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत मे काम कर रही विदेशी कम्पनियों की शाखाओं और सहायक कम्पनियों ने गत पांच वर्षों के दौरान कितने पेटेन्ट और डिजाइनों के पंजीकरण के लिये आवेदन किया और उन देशों की कम्पनी/शाखा के आवेदनों का उद्योगवार कार्मिक ब्यौरा क्या है ; और

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान पंजीकरण के लिये स्वीकार किये गये प्रत्येक देश के पेटेन्ट और डिजायनों का उद्योगवार ब्यौरा और आंकड़े क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरनजीत चानना) : (क) और (ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

मंत्रालयों में तदर्थ कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करना

1731. **डा राजेन्द्र कुमारी बाजपेयी :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों में 1970 से 1979 के बीच तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए हिन्दी टंककों / आशुलिपिकों / उच्च श्रेणी लिपिकों की मंत्रालय-वार/विभगवार तथा वर्षवार संख्या क्या है और तदर्थ आधार पर उनकी नियुक्ति का वर्ष बताते हुए उन मंत्रालयों के नाम क्या हैं जहां तदर्थ कर्मचारियों को नियमित कर दिया गया है और उनकी वरीयता निर्धारित कर दी गई है ;

(ख) क्या सरकार का विचार हिन्दी के प्रयोग में लगातार वृद्धि को देखते हुए उन तदर्थ हिन्दी टंककों/आशुलिपिकों/उच्च श्रेणी लिपिकों की सेवाओं को नियमित करने और उनकी वरीयता निर्धारित करने का है जिन्होंने तीन वर्ष से अधिक सेवा पूरी कर ली है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उन में से अधिकांश ने आयु सीमा पार कर ली है और वे अब किसी और सरकारी सेवा में नहीं लिये जा सकते और उनके वरिष्ठ होने के बावजूद उन्हें सबसे कनिष्ठ माना जाता है क्योंकि जनकी सेवायें नियमित नहीं हुई हैं; और

(घ) यदि भाग (क), (ख), और (ग) का उत्तर हां में हो, तो उनकी सेवाओं को कब तक नियमित कर दिया जाएगा और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री पी० वेंकटसुब्बय्या) : (क) वर्ष 1970 से 1978 की अवधि के

दौरान मंत्रालयों/विभागों में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए हिन्दी टंककों/आशुलिपिकों की संख्या के संबंध में सूचना प्रश्न सं० 9376 के आश्वासन की पूर्ति के सम्बन्ध में दिनांक 2-2-80 को सदन के पटल पर रख दी गई थी। सूचना के विवरण की एक प्रति सभा पटल पर रखी गई है। [ग्रन्थालय में रखी गई। देखिये संख्या एल टी-652-ए 80] । शेष सूचना एकत्रित की जा रही है और इसे एकत्रित होते ही सदन के पटल पर रख दिया जाएगा ।

(ख) एसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

(ग) और (घ) प्रश्न के भाग (क) के संबंध में पूरी सूचना एकत्रित होने पर ही पूरे आंकड़े उपलब्ध होंगे और उन्हें सदन के पटल पर रख दिया जाएगा ।

Soap produced by M/s. Hindustan Lever

1732. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) retail prices of each kind of soap produced by Hindustan Lever, month-wise from February, 1979 to February, 1980;

(b) whether it has been alleged that with a view to realise maximum profit, Hindustan Lever has brought down quality of the soaps produced by it by decreasing the proportion of total fatty content; and

(c) if so, what are the facts thereof and action taken thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) As there is no price control, statistics relating to the retail prices of each brand of soap produced by individual manufacturers is not maintained. Information has, therefore, been obtained from M/s. Hindustan Lever Ltd. and is given in the attached statement. There has been no change subsequent to the latest prices indicated.

(b) The I.S.I. certifications is voluntary and M/s. Hindustan Level Ltd. have not applied for certification under the scheme so far. However, a study was conducted by I.S.I. in 1978-79 of 22 popular brands of toilet soaps including five brand made by M/s. Hindustan Level Ltd. All the brands were found to conform to the I.S.I. standards in regard to fatty matter content. It has been confirmed by the firm that there has been no change in the total Fatty content of the soaps produced by them.

(c) Does not arise.

Statement

Sunlight

Price as on	Rs. per unit
1-1-1979	1·10
1-3-1979	1·25
18-3-1979	1·20
1-4-1979	1·24
25-4-1979	1·14
24-7-1979	1·22
17-8-1979	1·30
21-9-1979	1·39
24-12-1979	1·46

Lifebuoy

Price as on	
1-1-1979	1·25
1-3-1979	1·30
18-3-1979	1·27
1-4-1979	1·31
25-4-1979	1·28
24-7-1979	1·35
17-8-1979	1·46
21-9-1979	1·51
24-12-1979	1·67

Luxtoilet Standard

Price as on	
1-1-1979	1·35
1-3-1979	1·40
1-4-1979	1·43
25-4-1979	1·37
24-7-1979	1·45
17-8-1979	1·55